अदिति

मध्य प्रदेश में प्राप्त यह मूर्ति शिल्प ईसा पूर्व पन्द्रहवीं शताब्दी का है।
प्राच्य संस्कृति से विकसित अदिति शिल्प व शब्द सृजन शक्ति का पर्याय है।
वैदिक अवधारणा में अदिति प्राचीनतम देवियों में माता-नाम रूप में प्रतिष्ठित है।

प्रादेशिक

आचार्य नंददुलारे वाजपेयी पुरस्कार, वर्ष २०१७

'हिन्दी साहित्य कुछ विचार' (आलोचना)

डॉ. स्मृति शुक्ला

साहित्य अकादमी (सं.प.), संस्कृति विभाग, भोपाल

म.प्र. विद्युत परिवार हिन्दी समिति

हिन्दी महोत्सव 2018

सृजनश्री अलंकरण

डॉ. स्मृति शुक्ल

शिक्षाविद, साहित्यकार, जबलपुर

आपने समाज सापेक्ष सृजन से सामाजिक विसंगतियों के उन्मूलन में पथ प्रशस्त किया है। आपका व्यक्तित्व और जीवन दर्शन प्रणम्य है। आपको 'सृजनश्री अलंकरण' से अलंकृत करते हुये गौरवान्वित हैं।

एन.पी. चिंचोलकर — अध्यक्ष

वीरेन्द्र कुमार साहू — संरक्षक

राकेश पाठक — [illegible] • नुसरत सिद्दीकी — [illegible] • राजेश पाठक 'प्रवीण' — [illegible]

जबलपुर, 14 सितम्बर 2018 (हिन्दी दिवस)

प्रो. के.एल. जैन
(पी-एच.डी., डी.लिट)
अतिरिक्त संचालक

कार्यालय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा
जबलपुर संभाग, जबलपुर (म.प्र.)
दूरभाष क्र. (कार्या.) – 0761-2625573
मो. : 9425882320

क्र.

दिनांक 26/01/19

–: प्रशस्ति पत्र :–

डॉ0 स्मृति शुक्ला,
प्राध्यापक–हिन्दी
शास0 मा.कु.बा.कला एवं वाणिज्य स्वशासी–
स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय,
जबलपुर

डॉ0 स्मृति शुक्ला एक कर्मठ, निष्ठावान तथा अपने कर्तव्यों के प्रति सजग और सचेष्ट रहने वाली प्राध्यापिका हैं। इन्होंने शोध के क्षेत्र में गहन चिंतन, मनन और अध्ययन के कारण एक अलग पहचान बनाई है। इनकी शैक्षणेत्तर कार्यों में भी रूचि हद दर्जे की देखने को मिलती है, जिसके कारण महाविद्यालय का वातावरण ऊर्जावान बना हुआ है। इनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन्हें जो भी कार्य सौंपा जाता है, उसे अत्यंत संजीदगी के साथ पूरा करती हैं। प्रशासनिक कार्यों में भी इनके द्वारा अतिरिक्त संचालक कार्यालय को जो सहयोग मिलता रहा है, वह अत्यंत सराहनीय रहा है। डॉ0 शुक्ला का व्यक्तित्व अनेक विशेषणों से युक्त है। मैं उनके उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाय कम है। मैं उनके इस बहुमुखी व्यक्तित्व की सराहना करते हुए यह प्रशस्ति पत्र प्रदान करता हूँ।

(डॉ0 के.एल. जैन)
अतिरिक्त संचालक,

स्थान :
कार्यालय–अतिरिक्त संचालक
उच्च शिक्षा, जबलपुर संभाग
जबलपुर (म.प्र.)
दिनांक 26 जनवरी, 2019

म.प्र. राष्ट्रभाषा प्रचार समिति

हिन्दी भवन, भोपाल

डॉ. स्मृति शुक्ला

को

उनके शोध-परक चिंतन एवं
निस्पृह अध्येता के रूप में लिखित उनकी कृति
"हिन्दी साहित्य: कुछ विचार" पर
"श्रीमती हुक्मदेवी प्रकाशचन्द्र
स्मृति कृति पुरस्कार"
प्रदान किया जाता है।

कैलाशचन्द्र पन्त
मंत्री संचालक

सुखदेव प्रसाद दु
अध्यक्ष

संस्कारधानी जबलपुर की साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्था

कादम्बरी

स्व. प्रो. रमेश चन्द्र चौबे सम्मान

डॉ. स्मृति शुक्ला

जबलपुर

आपकी बहुआयामी हिन्दी सेवाओं एवं समीक्षा लेखन के परिप्रेक्ष्य में 'स्व. प्रो. रमेश चन्द्र चौबे सम्मान' से सम्मानित करते हुए गौरवान्वित हैं।

आचार्य भगवत दुबे, महामंत्री, कादम्बरी • डॉ. गार्गीशरण मिश्र 'मराल', अध्यक्ष, कादम्बरी

स्मृति स्व. पं. रामेन्द्र तिवारी • अखिल भारतीय साहित्यकार पत्रकार सम्मान समारोह • जबलपुर, 25 नवम्बर 2017

पाथेय साहित्य कला अकादमी, जबलपुर

गायत्री सृजन सम्मान

विविध क्षेत्रों में सतत्
सुदीर्घ साधना, अवदान
एवं उपलब्धियों के सम्मानार्थ
डॉ. स्मृति शुक्ल को
गायत्री सृजन सम्मान
से समादरित कर
हम हर्षित गौरवान्वित हैं

-: मंगलकामना सहित :-

डॉ. सुमित्र	जगदीश कंथारिया	डॉ. भावना शुक्ल	राजेश पाठक प्रवीण	डॉ. हर्ष कुमार तिवारी
संस्थापक/निदेशक	संरक्षक प्रतिनिधि	अध्यक्ष	महासचिव	सचिव

जबलपुर 27 दिसम्बर 2017

सम्पर्क : 112, सराफा वार्ड, जबलपुर. मोबा.: 9300121702

जागरण साहित्य समिति, जबलपुर (म.प्र.)

(साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था)

स्थापित 1992

रजत जयन्ती समारोह 2017

राष्ट्रभाषा गौरव अलंकरण

सम्माननीय डॉ.स्मृति शुक्ला के सम्मानार्थ

शब्द भी होते हैं और ब्रह्म भी। ब्रह्म की अभिव्यक्ति, शब्द के रथ पर सवार होकर ही संभव हो पाती है। आप ऐसे ही शब्द रथ के, उन सारथियों में से अग्रिम देखी जाती हैं, जिन्होंने अपने गुण वैशिष्ट्य से समाज, कला, साहित्य एवं संस्कृति के लोकाकाश में, वह अनुदान दिया है, जो पीढ़ियों के लिये अनुकरणीय व मील के पत्थर की भांति हैं। आपका रिसर्च के क्षेत्र में विशेष योगदान रहा है। कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स में आपके शोध पत्रों का प्रकाशन किया जा चुका है एवं अनेक राष्ट्रीय सेमिनारों का आयोजन कर शिक्षा एवं समाज को आपके द्वारा निरन्तर योगदान दिया जा रहा है। मध्य प्रदेश शासन संस्कृत विभाग में भी आपका उल्लेखनीय भूमिका रही है। जनकल्याणकारी भावनाओं से अविर्भूत आपकी रचनात्मक सृजन–साधना, आपकी जीवन शैली का रेखांकनयुक्त प्रमाण है। अस्तु; हमारी संस्था आपके यशस्वी, सेवाभावी जाज्वल्यमान जीवन की मंगलकामना के साथ आपको

"राष्ट्रभाषा गौरव अलंकरण"

से विभूषित करते हुए गौरवान्वित है।

शुभेच्छु

सलमा 'जमाल'	आचार्य डॉ.हरिशंकर दुबे	डॉ.जे.के.गुजराल	सुभाष जैन 'शलभ'
अध्यक्ष	दिशादर्शक	संरक्षक	संस्थापक/सूत्रधार

एवं समस्त जागरण परिवार, जबलपुर